मौनी रॉय और सूरज नांबियार के तलाक से फैंस हैरान

मशहूर अभिनेत्री मौनी रॉय और बिजनेसमैन सूरज नांबियार ने अपनी चार साल पुरानी शादी को खत्म करने का आधिकारिक फैसला कर लिया है. बीते 14 मई को एक साझा सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस पूर्व जोड़े ने आपसी सहमति से अलग होने की घोषणा की. काफी समय से इंटरनेट पर उनके तलाक को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, जिस पर विराम लगाते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि वे एक-दूसरे का सम्मान करते हुए अपने जीवन के नए रास्तों पर आगे बढ़ रहे हैं. इस खबर ने उनके प्रशंसकों को गहरे सदमे में डाल दिया है.

मौनी और सूरज के अलग होने की खबर के बीच बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है. यूजर्स दिशा को मौनी और सूरज का घर टूटने की वजह बता रहे हैं. दरअसल, शादी के बाद से ही मौनी अक्सर अपनी 'बेस्टी' दिशा पाटनी के साथ देश-विदेश की यात्राओं की तस्वीरें साझा करती थीं. ट्रोलर्स का कहना है कि इसी बढ़ती नजदीकी ने शादीशुदा जिंदगी में कलह पैदा की. विवाद इतना बढ़ गया कि मौनी रॉय को अपने सेपरेशन पोस्ट का कमेंट सेक्शन तक बंद करना पड़ा.

मौनी और सूरज ने अपने संयुक्त बयान में मीडिया के दखल पर निराशा जताते हुए इसे एक निजी मामला बताया है. उन्होंने लिखा कि अपनी बदलती प्राथमिकताओं और आपसी समझ के आधार पर उन्होंने अलग होने का निर्णय लिया है. बता दें कि इस जोड़े ने 27 जनवरी 2022 को गोवा में बेहद भव्य तरीके से मलयाली और बंगाली रीति-रिवाजों के साथ शादी की थी. फिलहाल, दोनों ने अपनी निजता का सम्मान करने की अपील की है, जबकि उनके करीबी इस रिश्ते के टूटने को दुर्भाग्यपूर्ण बता रहे हैं.

हर सीन में कुछ नया सीखने को मिलता है : सोनाक्षी बत्रा

'जगद्धात्री' अपनी दिल छू लेने वाली कहानी, रोमांच से भरे ट्विस्ट और दमदार किरदारों की वजह से लगातार दर्शकों का दिल जीत रहा है. इस शो की सबसे खास बात यह है कि इसमें जज्बात, फैमिली ड्रामा और सस्पेंस को बेहद खूबसूरती से साथ पिरोया गया है. घर में जगद्धात्री, यानी सोनाक्षी बत्रा, एक सीधी-सादी और शांत स्वभाव की लड़की नजर आती है, लेकिन असल में वह एक निडर अंडरकवर ऑफिसर एजेंट जेडी है, जो खतरनाक मिशन संभालती है और अपराधियों से डटकर मुकाबला करती है.

हालांकि घर में उसे अपनी सौतेली मां और बुआ की वजह से कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि दोनों उसे हमेशा परेशान करती हैं और उसके साथ गलत व्यवहार करती हैं. लेकिन हर मुश्किल घड़ी में आजी यानी उसकी दादी हमेशा जगद्धात्री के साथ मजबूती से खड़ी रहती हैं. मां को खोने के बाद से आजी, जिनका किरदार सुहिता थत्ते निभा रही हैं, हर कदम पर जगद्धात्री का सहारा बनी हैं और उसे हिम्मत देती रही हैं. शिवाय के अलावा आजी ही परिवार की इकलौती सदस्य हैं, जिन्हें यह सच पता है कि जगद्धात्री ही अंडरकवर ऑफिसर एजेंट जेडी है. सच जानने के बाद आजी ना तो हैरान हुईं और ना ही नाराज, बल्कि उन्होंने जगद्धात्री का साथ दिया.

संघर्ष से सफलता तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री हैं नुसरत भरुचा

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा ने अपनी दमदार अदाकारी, अलग किरदारों और मेहनत के दम पर बॉलीवुड में खास पहचान बनाई है. नुसरत भरुचा का जन्म 17 मई 1985 को मुंबई में एक बोहरा परिवार में हुआ है. उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई मुंबई से पूरी की. अभिनय के प्रति रुचि होने के कारण उन्होंने कम उम्र में ही मॉडलिंग और अभिनय की दुनिया में कदम रखा. अपने करियर के शुरुआती दौर में उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा, लेकिन मेहनत और लगन के बल पर उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना ली.

नुसरत ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन धारावाहिक 'किटी पार्टी' से की थी. इसके बाद उन्होंने फिल्मों की ओर रुख करते हुए फिल्म 'जय संतोषी मां' से बॉलीवुड में पदार्पण किया, हालांकि उन्हें वास्तविक पहचान फिल्म 'प्यार का पंचनामा' से मिली. इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों ने काफी पसंद किया. इसके बाद नुसरत भरुचा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा. उन्होंने 'आकाश वाणी', 'सोनू के टीटू की स्वीटी', 'ड्रीम गर्ल', 'छलांग', 'अजीब दास्तान्स', 'जनहित में जारी' और हॉरर फिल्म 'छोरी' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का दम दिखाया. खास बात यह रही कि उन्होंने केवल ग्लैमरस भूमिकाओं तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि सामाजिक और महिला केंद्रित विषयों पर आधारित फिल्मों में भी काम किया.

रेमो की फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं वरुण धवन

बॉलीवुड स्टार वरुण धवन एक बार फिर निर्देशक-कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा की फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं. चर्चा है कि वरुण और रेमो दोनों एक नई फिल्म पर साथ काम कर रहे हैं, जिसकी संभावित रिलीज अगले वर्ष मार्च में हो सकती है. हालांकि अभी तक इस प्रोजेक्ट की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन फिल्म को लेकर फिल्मी गलियारों में लगातार चर्चा बनी हुई है.

सूत्रों के अनुसार, इस आगामी फिल्म में अभिनेत्री कैटरीना कैफ, वरुण धवन के अपोजिट मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं. यदि यह कास्टिंग फाइनल होती है तो यह पहली बार होगा जब वरुण धवन और कैटरीना कैफ बड़े पर्दे पर एक प्रमुख जोड़ी के रूप में साथ दिखाई देंगे. दोनों सितारों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर भी दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है.

बताया जा रहा है कि यह फिल्म एक बड़े पैमाने पर बनाई जा रही एंटरटेनमेंट प्रोजेक्ट होगी, जिसमें डांस, ड्रामा और एक्शन का मिश्रण देखने को मिल सकता है.

वरुण धवन और रेमो डिसूजा की यह साझेदारी नई नहीं है. इससे पहले दोनों ने फिल्म 'एबीसीडी 2' और 'स्ट्रीट डांसर 3डी' में साथ काम किया है. फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि यदि यह प्रोजेक्ट तय समय पर आगे बढ़ता है, तो यह अगले साल की बड़ी रिलीज में से एक हो सकती है. वरुण धवन की लोकप्रियता और रेमो डिसूजा की निर्देशन शैली के साथ यदि कैटरीना कैफ की मौजूदगी जुड़ती है, तो यह फिल्म दर्शकों के लिए एक बड़ा आकर्षण साबित हो सकती है.

स्क्रिप्ट पढ़ता नहीं, सुनकर समझता हूं विजन : सलमान

बॉलीवुड स्टार सलमान खान ने अपने काम करने के तरीके को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि उन्होंने आज तक कभी किसी फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं, बल्कि हमेशा उसे सुनकर ही समझा है. सलमान खान ने भारतीय सिनेमा में एक ऐसे सुपरस्टार के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जिनकी फिल्में ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और कई पीढ़ियों में जबरदस्त फैन फॉलोइंग बनाई है.

जहां सलमान खान को अक्सर ऐसा स्टार माना जाता है जो खुद भी राइटिंग से जुड़े रहे हैं, वहीं आम धारणा यह होती है कि वह हर फिल्म साइन करने से पहले स्क्रिप्ट को विस्तार से पढ़ते होंगे. लेकिन हाल ही में सुपरस्टार ने अपने काम करने के तरीके पर खुलासा किया है कि उन्होंने आज तक अपनी जिंदगी में कभी स्क्रिप्ट पढ़ी ही नहीं, बल्कि वह सिर्फ उसे सुनते हैं ताकि डायरेक्टर और राइटर के विजन को बेहतर समझ सकें.

सलमान खान ने कहा, 'मैंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी स्क्रिप्ट पढ़ी ही नहीं है. मैंने उन्हें लिखा है, लेकिन पढ़ा कभी नहीं. मैं स्क्रिप्ट सुनता हूं. मुझे स्क्रिप्ट राइटर या डायरेक्टर से सुनना पसंद है ताकि मैं समझ सकूं कि वह किस तरह की फिल्म बना रहा है और उसका विजन क्या है. अगर मैं इसे पढ़ लूंगा, तो फिर मेरे दिमाग में अपना विजन आ जाएगा और वह डायरेक्टर या राइटर के विजन से अलग हो जाएगा.'

सलमान इन दिनों फिल्म मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस में काम कर रहे हैं. इस फिल्म को सलमा खान ने सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है, जबकि निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं.

वसुधा में आएगा नया बड़ा ट्विस्ट

'वसुधा' ने टीआरपी चार्ट में बड़ा उलटफेर करते हुए नंबर 1 की पोजिशन हासिल कर ली है. 'वसुधा' के दोबारा टॉप पर पहुंचने के बाद अब चैनल दर्शकों के लिए शो को और ज्यादा दिलचस्प बनाने जा रहा है. शुरुआत से ही इस शो ने अपने मजेदार सरप्राइज, दमदार ट्विस्ट और दिल से जुड़ी कहानी के जरिए दर्शकों का दिल जीता है.

प्रिय ठाकुर और अभिषेक शर्मा स्टारर 'वसुधा' अब अपनी कहानी में एक और बड़ा मोड़ लाने जा रहा है. शो में एक अहम किरदार की एंट्री होने वाली है, जिसके साथ कहानी में नया सस्पेंस और ड्रामा देखने को मिलेगा. एक्टर परिचय शर्मा अब इस शो में समर बनकर नजर आएंगे. समर की एंट्री कहानी के ऐसे मोड़ पर होती है, जहां रिश्तों की परीक्षा शुरू हो चुकी है और कई छिपे हुए सच धीरे-धीरे सामने आने लगे हैं. फिलहाल उसके असली इरादों के बारे में ज्यादा कुछ सामने नहीं आया है, लेकिन समर ऐसा किरदार है, जो वफादारी और चालाकी के बीच की बहुत पतली लाइन पर चलता नजर आएगा. यही बात उसे दिलचस्प और थोड़ा अनपेक्षित बनाती है.

चौहान परिवार के साथ उसकी मौजूदगी कई रिश्तों में हलचल लेकर आएगी, जिससे नए टकराव और जज्बाती उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे. समर के किरदार के साथ जुड़ा रहस्य धीरे-धीरे खुलता जाएगा और दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगा कि वह देव और वसुधा का साथ देगा या उनकी मुश्किलें और बढ़ाएगा.

'गंगा माई की बेटियां' के शीज़ान खान बोले

'गंगा माई की बेटियां', जिसमें शीज़ान खान और अमनदीप सिद्धू लीड रोल में नजर आ रहे हैं, अपनी जज्बाती और दिलचस्प कहानी के साथ लगातार दर्शकों का दिल जीत रहा है. आने वाले ट्रैक में दर्शक देखेंगे कि इंदु रानी, यानी श्रद्धा जायसवाल, सिद्धू और स्नेहा को बदनाम करने के लिए एक चाल चलती है. वह दोनों को एक कमरे में बंद कर देती है, ताकि स्नेहा की इज्जत पर सवाल उठे और शांतनु, यानी शहजाद शेख के साथ होने वाली शादी टूट जाए. उसकी योजना यह होती है कि सुबह जब गांव वाले वहां पहुंचेंगे, तो उन्हें लगेगा कि सिद्धू और नेहा ने पूरी रात साथ बिताई है.

लेकिन इसी मोड़ पर सिद्धू ऐसा फैसला लेता है, जो उसे बाकी टीवी मेल लीड्स से अलग बनाता है.

उसके पास मौका होता है कि स्नेहा और शांतनु का रिश्ता टूट जाए और शायद स्नेहा फिर उसकी जिंदगी में लौट आए, लेकिन वह अपने प्यार से पहले स्नेहा की इज्जत, सुकून और खुशी को चुनता है. दरवाजा खुलने से पहले ही सिद्धू चुपचाप खुद को छिपा लेता है, ताकि किसी को पता ना चले कि वह स्नेहा के साथ कमरे में था. यह पल बहुत खूबसूरती से दिखाता है कि सिद्धू के लिए उसका प्यार नहीं, बल्कि स्नेहा की खुशी सबसे ज्यादा मायने रखती है.'

यंग इंडिया

रेलवे में 11127 पदों पर निकली है भर्ती

भारतीय रेलवे में सरकारी नौकरी पाने का सपना देख रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है. रेलवे भर्ती बोर्ड ने असिस्टेंट लोको पायलट के 11,127 पदों पर भर्ती का आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है.

आवेदन प्रक्रिया 15 मई 2026 से शुरू होगी. योग्य और इच्छुक आरआरबी के किसी भी क्षेत्रीय आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 14 जून 2026 तक फॉर्म भर सकते हैं. बोर्ड द्वारा CBT-1 की परीक्षा अगस्त 2026 में आयोजित की जा सकती है.

पद का नाम: असिस्टेंट लोको पायलट

कुल पद: 11,127

जोन वाइज वैकेंसी डिटेल्स:

सेंट्रल रेलवे 1400
ईस्ट सेंट्रल रेलवे 700
ईस्ट कोस्ट रेलवे 1625
ईस्टर्न रेलवे 608
नॉर्थ सेंट्रल रेलवे 457
नॉर्थ ईस्टर्न रेलवे 105
नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे 1276
नॉर्थन रेलवे 740
नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे 600
साउथ सेंट्रल रेलवे 674
साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे 200
साउथ ईस्टर्न रेलवे 1531
साउथर्न रेलवे 250
साउथ वेस्टर्न रेलवे 200
वेस्ट सेंट्रल रेलवे 541
वेस्टर्न रेलवे 214
चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स-06

आयु सीमा: 1 जुलाई 2026 तक अभ्यर्थी की आयु 18 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए. आरक्षित श्रेणियों को सरकारी नियमों के अनुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी.

शैक्षणिक योग्यता: अभ्यर्थी ने 10वीं कक्षा उत्तीर्ण की हो और उसके साथ संबंधित ट्रेड में आईटीआई का सर्टिफिकेट हो. इसके अलावा, इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री रखने वाले उम्मीदवार भी आवेदन के पात्र हैं. **वेतनमान:** चयनित उम्मीदवारों को 7वें वेतन आयोग के तहत पे लेवल-2 में रखा जाएगा, जिसका प्रारंभिक मूल वेतन 19,900 रुपये प्रति माह होगा.

आयुष सोसाइटी ने निकाली 167 पदों पर भर्ती

दिल्ली स्टेट आयुष सोसाइटी ने प्रोग्राम मैनेजर, मेडिकल ऑफिसर, योग इंस्ट्रक्टर, फार्मासिस्ट समेत कई पदों पर भर्ती निकाली है. जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. 25 मई 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट http://ayush.delhi.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं. नोटिफिकेशन में पात्रता से लेकर चयन प्रक्रिया तक की डिटेल जानकारी उपलब्ध है. इसीलिए इसे पढ़ने के बाद ही उम्मीदवारों को फॉर्म भरने की सलाह दी जाती है.

रिक्त पदों की संख्या 167 है. जिसमें से प्रोग्राम मैनेजर के लिए एक, कंसलटेंट एनएएम के लिए दो, योग इंस्ट्रक्टर के लिए 19, फार्मासिस्ट आयुर्वेद के लिए 19, फार्मासिस्ट होम्योपैथी के लिए 42, फार्मासिस्ट यूनानी के लिए 13, मेडिकल ऑफिसर यूनानी के लिए 22, मेडिकल ऑफिसर होम्योपैथी के लिए 23 और मेडिकल ऑफिसर आयुर्वेद के लिए 25 पद खाली हैं.

कौन कर सकता है आवेदन?- विभिन्न पदों के लिए योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है. योग इंस्ट्रक्टर पद के लिए उम्मीदवारों के पास मान्यता प्राप्त संस्थान से 55% अंकों के साथ योग में डिग्री या योग एजुकेशन/स्टडीज/योग साइंस में ग्रेजुएशन के बाद न्यूनतम एक वर्षीय डिप्लोमा की योग्यता होनी चाहिए. इसके अलावा योग सर्टिफिकेशन बोर्ड के लेवल 3 योग प्रोफेशनल प्रतियोगी परीक्षा की योग्यता भी होनी चाहिए. योग में संबंधित क्षेत्र में कम से कम 1 वर्ष का अनुभव होना भी जरूरी है.

आयु सीमा- प्रोग्राम मैनेजर और कंसलटेंट एनएएम के लिए निर्धारित आयु सीमा अधिकतम 60 वर्ष है. मेडिकल ऑफिसर पद के लिए निर्धारित आयु सीमा अधिकतम 35 वर्ष, योगा इंस्ट्रक्टर के लिए 30 वर्ष और फार्मासिस्ट के लिए 27 वर्ष निर्धारित की गई है. सरकारी नियमों के तहत एससी/ एसटी/ओबीसी और पीडब्ल्यूडी को आयु सीमा में छूट भी दी जाएगी.

आयुष AYUSH
Directorate of AYUSH
Govt. of NCT of Delhi

मेडिकल ऑफिसर पदों के लिए उम्मीदवारों के पास संबंधी क्षेत्र में बीएएमएस/बीएचएमएम/BUMS की डिग्री होना अनिवार्य है. इसके अलावा आयुर्वेद/यूनानी/ होम्योपैथी के लिए दिल्ली स्टेट रजिस्टर में एनरोलमेंट होना भी जरूरी है. कंसलटेंट एनएएम पद के लिए बीएएमएस/बीएचएमएम/[illegible] योग्यता उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं. इसके लिए 3 साल का पब्लिक हेल्थ अनुभव होना भी अनिवार्य है. फार्मासिस्ट पदों के लिए आयुर्वेद/यूनानी/होम्योपैथिक/आयुष में डिप्लोमा की योग्यता कक्षा बारहवीं पास होने के साथ-साथ होनी चाहिए. अतिरिक्त जानकारी के लिए अधिसूचना पढ़ने की सलाह दी जाती है.

कर्मकांड में डिप्लोमा बन सकता है बेहतर करियर विकल्प

आज के दौर में युवा पारंपरिक शिक्षा के साथ ऐसे करियर विकल्प तलाश रहे हैं, जिनमें सम्मान, आत्मनिर्भरता और स्थायी आय तीनों मौजूद हों.

क्षेत्र में अपना सफल करियर बनाएं- भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जुड़ा कर्मकांड ऐसा ही एक क्षेत्र है, जिसमें युवाओं का रुझान बढ़ रहा है. ग्रेजुएशन के बाद विद्यार्थी एक वर्ष का डिप्लोमा कोर्स कर इस क्षेत्र में अपना सफल करियर बना सकते हैं.

विज्ञानी व शास्त्रीय का अध्ययन कराया जाता है- महाकोशल कालेज के स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना प्रकोष्ठ के संभागीय नोडल अधिकारी प्रो अरुण शुक्ल ने बताया कि कर्मकांड केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें वैदिक मंत्र, ज्योतिषीय विधियां, संस्कार, यज्ञ, विवाह, गृह प्रवेश, नामकरण, मुंडन और धार्मिक अनुष्ठानों का विज्ञानी एवं शास्त्रीय अध्ययन कराया जाता है.

डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स संचालित कर रहे हैं- बदलते समय में लोग योग्य और प्रशिक्षित आचार्यों को प्राथमिकता देने लगे हैं. यही कारण है कि अब कई विश्वविद्यालय और संस्कृत संस्थान कर्मकांड में डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स संचालित कर रहे हैं.

मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन उत्तीर्ण होना आवश्यक- महाकोशल कालेज में भी इसका एक वर्षीय डिप्लोमा कराया जाता है. कोर्स की अवधि एक वर्ष होती है. इसमें प्रवेश के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है.

इन गुरों को सीखकर आसानी से मिलेगी नौकरी

बढ़ती टेक्नोलॉजी के साथ टेक कंपनियों में काम करने के लिए युवाओं का रुझान और नौकरी के अवसर तेजी बढ़ रहे हैं. ऐसे में टेक कंपनियों में काम करने के इच्छुक युवाओं के लिए एक सीईओ की सलाह बड़े ही काम आ सकती है. दरअसल हाल ही में उन्होंने टेक कंपनियों में काम करने के लिए जरूरी स्किल्स के बारे में बताया है. जो युवा इस सेक्टर में अपना एक शानदार भविष्य बनाना चाहते हैं, वे यहां बताई गई टिप्स को अपनाकर टेक कंपनियों में अपनी जगह बना सकते हैं. यहां बताई गई जरूरी स्किल्स न केवल आपको बड़ी कंपनियों में नौकरी करने का अवसर देंगी, बल्कि इन स्किल्स को अपनाकर आप उच्च पेशेवर वाली नौकरी में भी अपनी जगह बना सकते हैं.

अनुभवी पेशेवरों की मांग- बड़ी कंपनियों में नौकरी करने के लिए तकनीकी कौशल को सीखना जरूरी है. इसके साथ ही बड़ी टेक कंपनियां आज के दौर में ऐसे लोगों को ज्याद प्राथमिकता देती है, जो पहले से ही किसी छोटी या मध्यम कंपनियों में काम करके आते हैं.

रिज्यूमे ऐसा जिसे एआई भी खारिज न कर पाए- भले ही आपको छोटी कंपनियों में काम करना पड़े. लेकिन आपके रिज्यूमे में दर्ज आपके कौशल और अनुभव ऐसे होने चाहिए जिसे एआई भी खारिज न कर सके. हालांकि छोटी कंपनियों से बड़ी कंपनियों में जाने के लिए आपको अधिक समय लग सकता है. लेकिन आपको एक दिन सफलता जरूर मिलेगी और आप एक दिन बड़ी टेक कंपनियों में जरूर काम करेंगे. लेकिन याद रहे करियर की शुरुआत छोटी कंपनियों से ही करें.

धीरे-धीरे कौशल विकसित करें- किसी भी नए कौशल को सीखने में समय लगता है. लेकिन अगर आप छोटी उम्र से ही धीरे-धीरे कौशल विकसित करते हैं, तो अच्छा वेतन और पद आपको अपने आप मिल जाएगे. आप जितना ज्यादा नया सीखेंगे आपके लिए उतनी ही अच्छी नौकरी पाने के अवसर भी बढ़ेंगे.